झारखंड के कोडरमा ज़िले में मिला लिथियम का भंडार

चर्चा में क्यों?

18 नवंबर, 2023 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) के महानिदेशक जनार्दन प्रसाद ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोडरमा ज़िले में भविष्य का खजाना कहे जाने वाले खनिज 'लिथियम' का भंडार मिला है। जीएसआइ की प्रारंभिक जाँच में इसकी पुष्टि हो गयी है।

प्रमुख बिंदु

- जीएसआइ के महानिदेशक जनार्दन प्रसाद ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोडरमा में माइका के साथ-साथ लिथियम का भी भंडार है। अब जी-3 लेवल की खुदाई कर विस्तृत रूप से यह पता चल सकेगा कि यहाँ लिथियम की मात्रा कितनी है।
- उन्होंने कहा कि 2050 तक देश में बैटरी पर निर्भरता बढ़ने वाली है। इसके लिये लिथियम सबसे जरूरी तत्व है। इसलिये लिथियम की खोज पर फोकस किया जा रहा है। जम्मू में लिथियम के भंडार का पता चल चुका है। राजस्थान के भीलवाड़ा और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में भी लिथियम भंडार की संभावना है।
- महानिदेशक ने बताया कि लिथियम की खुदाई (एक्सट्रेक्शन) की तकनीक चीन के पास है। इस पर उसकी मोनोपोली है। लिहाजा, जीएसआइ धनबाद के सिंफर, आइआइटी आइएसएम व अन्य आइआइटी समेत कई अन्य संस्थानों के साथ एमओयू किया जायेगा, खुदाई करनेवाले संस्थानों को भारत सरकार फंडिंग भी करेगी।
- महानिदेशक ने बताया कि तमाड़ में दो जगहों पर सोने की खदान का पता चला है। पूर्व में भी झारखंड में सोने की दो खदानों का पता चल चुका है। खनिज मिलने से सबसे ज्यादा फायदा राज्य सरकार को राजस्व के रूप में होगा। संबंधित इलाकों में रोज़गार का सृजन होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lithium-reserves-found-in-koderma-district-of-jharkhand